प्रदेश के 55 अस्पतालों को मिलेगा भूकंपरोधी कवच

चर्चा में क्यों?

5 जुलाई, 2023 को उत्तराखंड के मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु की अध्यक्षता में हुई उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में बताया गया कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन न्यूनीकरण के तहत अस्पतालों को भूकंपरोधी कवच से लैस किया जाएगा। पहले चरण में 55 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- अस्पतालों को भूकंपरोधी कवच से लैस करने की शुरुआत पर्वतीय क्षेत्रों के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित 55 प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी व पीएचसी) से होगी। भूकंपरोधी भवन बनाने के तहत इन 55 स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों की रेट्रोफिटिंग की जाएगी।
- उत्तराखंड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यूडीआरपी) के तहत वर्ल्ड बैंक इसके लिये 38.78 करोड़ रुपए खर्च करेगा।
- विदित है कि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश में पुराने और जर्जर हो चुके स्वास्थ्य केंद्रों के उद्धार का प्रस्ताव शासन को सौंपा गया था।
- यूडीआरपी प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश में ऐसे कुल 150 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया। उसके बाद वर्गीकरण की प्रक्रिया में इनमें से 90 अस्पताल भवनों का चयन किया गया। इसके बाद अब मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु की अध्यक्षता में 55 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया।
- अब इन स्वास्थ्य केंद्रों की रेट्रोफिटिंग कर इन्हें एकदम नया रूप दिया जाएगा। जहाँ पुरानी बिल्डिंग में सुधार की गुंजाइश होगी, उन्हें सुधारा जाएगा, जो भवन जर्जर हालत में हैं, वहाँ नए भूकंपरोधी भवन बनाए जाएंगे।
- इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से पर्वतीय क्षेत्रों में जर्जर हालात में पहुँच चुके पीएचसी और सीएचसी नए रंग-रूप में नजर आएंगे, जिससे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने में मदद मिलेगी।
- प्रदेश में रेट्रोफिटिंग के लिये कुल 90 सीएचसी और पीएचसी का चयन किया गया है। इनमें अल्मोड़ा के सात, बागेश्वर के चार, चमोली के नौ, चंपावत के चार, देहरादून के आठ, हरिद्वार के सात, पौड़ी के 12, पिथौरागढ़ के सात, रुद्रप्रयाग के छह, टिहरी के 10, ऊधमसिंहनगर के छह और उत्तरकाशी के 10 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया है। इनमें से पहले चरण में 55 स्वास्थ्य केंद्रों का उद्धार किया जाएगा।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/55-hospitals-of-the-state-will-get-anti-earthquake-armor